# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## Cadaver Organ Donor

## Lt. Shaishav Girishbhai Patel

**Donated His: Heart, Lungs, Kidney, Liver & Corneas**

**Date:- 18/03/2023**

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

# डोनेट लाइफ अब तक अंगों का दान कर देश-विदेश के कुल एक हजार व्यक्तियों को नया जीवन देने में सफल

## डोनेट लाइफ द्वारा सूरत से 45वें दिल और फेफड़े के दान की 15वीं घटना

अतुल्य हिन्दुस्तान
संवाददाता

सूरत। हिंदू तलपड़ा कोली पटेल समाज के ब्रेन डेड 24 साल के शेशव गिरीशभाई पटेल के परिवार ने डोनेट लाइफ के जरिए शेशव का दिल, फेफड़े, लिवर, किडनी और आंखें सात लोगों को दान कर समाज को एक नई दिशा दिखाई।

सूरत के महावीर अस्पताल में कोसंबा के एक 22 वर्षीय व्यक्ति का हृदय प्रत्यारोपण किया गया, अहमदाबाद के केडी अस्पताल में अहमदाबाद की एक 40 वर्षीय महिला के फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया। अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। जबकि दोनों किडनी का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद के अस्पताल में किया जाएगा।

सूरत के महावीर अस्पताल से फेफड़े, लिवर और किडनी को अहमदाबाद के केडी अस्पताल और जायडस अस्पताल तक समय पर पहुंचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा तीन ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया था। डोनेट लाइफ संस्था अब तक विभिन्न अंगों का दान कर देश-विदेश के कुल एक हजार व्यक्तियों को नया जीवन देने में सफल हुई है।

### बुलेट स्लिप हुई और जान चली गई

24 साल का रहने वाला मैकेनिकल इंजीनियर शेशव खेती कर रहा था। 13 मार्च की रात 8:30 बजे जब वह अपनी बुलेट पर सुनेव गांव से अपने गांव हाजत जा रहा था तो तरिया चस स्टैंड माजोद के पास उसकी बुलेट फिसल गई, वह बुलेट से नीचे गिर पड़ा और सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोश हो गया। परिजन ने उसे तुरंत अंकलेश्वर के जयाबेन मोदी अस्पताल में भर्ती कराया। निदान के लिए सीटी स्कैन किया गया और ब्रेन हेमरेज और ब्रेन सूजन का निदान किया गया। परिजन रात साढ़े 11 बजे सूरत के एम्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आगे के इलाज के लिए ले गए। न्यूरोसर्जन डॉ. हितेश चिखादा के उपचार में भर्ती कर इलाज शुरू किया गया। दिमाग में सूजन अधिक होने के कारण डॉक्टर ने ऑपरेशन की सलाह दी, लेकिन ऑपरेशन से पहले इलाज के दौरान 15 मार्च को दोपहर 2:00 बजे शिशव का दिल रुक गया और सीपीआर (हृदय की मालिश) देकर दिल को फिर से चालू किया गया। फिर उनकी तबीयत खराब हो गई। 17 मार्च को न्यूरोसर्जन डॉ. मौलिक पटेल,

चिकित्सक डॉ. राजेश रमानी, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. रीतेश वेकरिया और चिकित्सा अधिकारी डॉ. दक्ष कटारिया ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया।

### शैशव की मां मनीषाबेन ने अपने दिल पर पत्थर रखकर रोते हुए कहा...

खलिया के पुलिस इंस्पेक्टर करण सिंह चुडासमा और शैशव की बहन निधि ने फोन से डोनेट लाइफ के संस्थापक और अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला से संपर्क किया और शैशव के ब्रेन डेड होने की जानकारी दी और अंगदान करने की इच्छा जताई। डोनेट लाइफ की टीम अस्पताल पहुंची और शिशव के पिता गिरीशभाई, मां मनीषाबेन, बहन निधि और परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की पूरी प्रक्रिया समझाई और उन्हें बताया कि शिशव चिकित्सकीय रूप से ब्रेन डेड था, लेकिन ब्रेन डेड घोषित करने के लिए, एक अस्पताल की ब्रेन स्टेम डेथ डिक्लेरेशन कमेटी ने एपनिया टेस्ट कराया था, जिसमें मरीज को ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था, लेकिन शैशव के इलेक्ट्रोलाइट्स सामान्य नहीं होने के कारण एपनिया टेस्ट नहीं किया जा सकता था। इलेक्ट्रोलाइट्स के सामान्य होने और एपनिया के दोनों टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद ही अंगदान किया जा सकता है। तब शैशव की मां मनीषाबेन ने अपने दिल पर पत्थर रखकर रोते हुए कहा कि हमारा बेटा क्लिनिकली ब्रेन डेड है, उसकी सभी रिपोर्ट नॉर्मल आने के बाद उसे ब्रेन डेड घोषित करने के लिए जरूरी टेस्ट कराने के बाद सभी अंग दान कर दें। दान किया जा सकता है। यदि शरीर राख में बदलने वाला है तो अंगदान करने से किसी के चाहने वालों को नया जीवन मिलेगा। शैशव के इलेक्ट्रोलाइट्स के सामान्य होने और एपनिया के दोनों टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद अंगदान के लिए सहमति दी गई। शैशव के पिता गिरीशभाई, माता मनीषाबेन और बहन निधि को अंगदान के लिए राजी करने के लिए शत शत नमन। शैशव के परिवार में उनके माता-पिता खेती के व्यवसाय से जुड़े हैं, बहन निधि दहेज में दीपक फाउंडेशन नामक संस्था में काउंसलर के रूप में काम करती हैं।

### इन को मिला नया जीवन

एम्स अस्पताल से महावीर अस्पताल तक 13 किमी की दूरी 15 मिनट में तय करते हुए कोसांबा निवासी 22 वर्षीय युवक में दान किया गया हृदय महावीर अस्पताल में डॉ. अन्वय मुले और डॉ. जगदीश महे व उनकी टीम ने प्रत्यारोपण किया। एम्स अस्पताल से केडी अस्पताल, अहमदाबाद तक की 276 किलोमीटर की दूरी 100 मिनट में तय कि गई और दान किए गए फेफड़े को अहमदाबाद के 40 वर्षीय निवासी महिला में डॉ. संदीप अटावर और उनकी टीम द्वारा किया गया। अहमदाबाद निवासी 64 वर्षीय व्यक्ति में द्वारा जाइडस अस्पताल, अहमदाबाद में दान से प्राप्त लीवर का प्रत्यारोपण किया गया। अहमदाबाद के अस्पताल में दो जरूरतमंद मरीजों में दोनों किडनी का प्रत्यारोपण किया जाएगा।

### तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए

सूरत सिटी पुलिस ने अहमदाबाद के महावीर अस्पताल, फेफड़े, लिवर और किडनी को समय पर पहुंचाने के लिए तीन ग्रीन कॉरिडोर बनाए थे। गौरतलब है कि देश के विभिन्न शहरों में हृदय, फेफड़े, हाथ, लीवर और किडनी जैसे महत्वपूर्ण अंगों को समय पर पहुंचाने के लिए सूरत शहर पुलिस द्वारा अब तक 93 ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया जा चुका है। हम सूरत पुलिस का भी इस दान में हमेशा सहयोग करने के लिए हृदय से धन्यवाद व्यक्त करते हैं।

# ब्रेन डेड मैकेनिकल इंजीनियर के हृदय-फेफड़े सहित अंगों के दान से 7 लोगों की जिंदगी रोशन हुई

## अंगदान से जीवन संजीवनी हादसे के अंग दाता को अंतिम सलामी दी गई

लोकतेज संवाददाता

सूरत के हिंदू तलपदा कोली पटेल समाज के ब्रेन डेड 24 वर्षीय शैशव गिरीशभाई पटेल के परिवार ने डोनेट लाईफ के माध्यम से शैशव का दिल, फेफड़े, लिवर, किडनी और आंखें दान कर सात लोगों को नई जिंदगी प्रदान की है।

भरूच जिले के अंकलेश्वर तहसिल में हजात गांव के मोटा फलिया के निवासी 24 वर्षीय शैशव वाले मैकेनिकल इंजीनियर की पढाई करने के बाद गांव में किसानी का काम कर रहा था। 13 मार्च की रात 8.30 बजे अपनी बुलेट पर सुणेव गांव से अपने गांव हजात जा रहा था। तभी तरिया बस स्टैंड साजोद के पास बुलेट फिसल गई। बुलेट से नीचे गिर गया जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया। परिजन ने उसे तुरंत अंकलेश्वर के जयाबेन मोदी अस्पताल में भर्ती कराया। निदान के लिए सीटी स्कैन किया गया और ब्रेन हेमरेज और ब्रेन सूजन का निदान किया गया। सूरत के एम्स सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल में 17 मार्च को न्यूरोसर्जन चिकित्सकों ने ब्रेनडेड घोषित किया।

वालिया पुलिस इंस्पेक्टर करण सिंह चुडास्मा और शैशव की बहन निधि ने डोनेट लाइफ के संस्थापक और अध्यक्ष नीलेश मंडलेवाला से टेलीफोन पर संपर्क कर शैशव की ब्रेन डेड होने की जानकारी दी और अंग दान करने की इच्छा जताई। अंग दान की पूरी प्रक्रिया के बारे में डोनेट लाईफ संस्था द्वारा शैशव के परिजनों को जानकारी दी गई। शैशव के पिता गिरीशभाई, माता मनीषाबेन और बहन निधि ने अंगदान के लिए सहमति दी। शैशव के परिवार में उनके माता-पिता खेती के व्यवसाय से जुड़े हैं, बहन निधि दहेज में दीपक फाउंडेशन नामक संस्था में काऊन्सीलर के रूप में काम करती हैं।

सूरत के महावीर अस्पताल में कोसंबा के एक 22 वर्षीय व्यक्ति में हृदय का प्रत्यारोपण किया गया, अहमदाबाद के केडी अस्पताल में अहमदाबाद की एक 40 वर्षीय महिला में फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया है। अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। जबकि दोनों किडनी का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद के अस्पताल में किया जाएगा। सूरत के महावीर अस्पताल से फेफड़े, लिवर और किडनी को अहमदाबाद के के.डी अस्पताल और अहमदाबाद के ज़ाइडस अस्पताल तक समय से पहुँचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा तीन ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया था। ब्रेनडेड शैशव के अंगदान ने सात लोगों को नई जिंदगी दी।

## मर कर भी दे गया सात को जीवनदान

**हृदय, किडनी, फेफड़े, लीवर और चक्षुओं किया गया दान**

जनसंसार संवाददाता
सूरत, 18 मार्च

शहर में से अंगदान जैसे महादान का सिलसिला जारी है। एक और ब्रेनडेड युवक के अंगदान से सात जरूरतमंद लोगों को जीवनदान मिला है। ब्रेनडेड होने के बाद युवक का हृदय, दोनों किडनी तथा लिवर और चक्षुओं का दान किया।

जिला भरूच में स्थित हजात निवासी 24 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर शैशव 13 मार्च रात को घूमने पर जा रहा था। उस दौरान बुलेट फिसल जाने की वजह से वह गिर गया और उसके सिर में गंभीर चोट आई। उसे विशेष इलाज के लिए सूरत की एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। जहां 17 मार्च को डॉक्टरों ने उसे ब्रेनडेड घोषित किया।

इस बारे में डोनेट लाइफ संस्था के अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला को जानकारी दी गई। मांडलेवाला ने बताया कि शैशव की बहन सहित परिवारवालों ने स्वयं उसके अंगों का दान करने की इच्छा जताई थी। जिसके बाद अंगदान की प्रक्रिया की गई। युवक का दान में मिला हृदय सूरत के महावीर हॉस्पिटल में भर्ती कोसंबा के निवासी 22 वर्षीय युवक को जबकि फेफड़ों का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद निवासी 40 वर्षीय महिला में किया गया। लिवर का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद की जायडस हॉस्पिटल में किया गया वहीं दोनों किडनियों का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद की हॉस्पिटल में किया गया और चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षु बैंक ने स्वीकारा। इस प्रकार एक ब्रेनडेड युवक के अंगदान से सात लोगों को जीवनदान मिल गया।

---

**हृदय कोसंबा के 22 वर्षीय युवक में तो फेफड़े अहमदाबाद की महिला में ट्रांसप्लांट किए गए**

## ब्रेनडेड इंजीनियर के अंगदान से सात को मिली नई जिंदगी

**पत्रिका न्यूज नेटवर्क**
patrika.com

**सूरत.** ब्रेनडेड घोषित किए गए अंकलेश्वर के इंजीनियर युवक के अंगों के दान से सात जनों को नई जिंदगी मिली है। हृदय कोसंबा के 22 वर्षीय युवक में और फेफड़े अहमदाबाद की महिला में ट्रांसप्लांट किए गए।

अंकलेश्वर तहसील के हजात गांव निवासी शैशव गिरीश पटेल (24) इंजीनियर था। शैशव 13 मार्च को मोटर साइकिल स्लिप होने से घायल हो गया था। उसे पहले भरुच और बाद में सूरत की निजी अस्पताल में भर्ती करवाया था। सीटी स्कैन करने पर उसे ब्रेन हैमरेज होने का पता चला। इसके बाद 17 मार्च को चिकित्सकों ने उसे ब्रेनडेड घोषित कर दिया। ब्रेनडेड का पता चलने पर परिजनों ने अंगदान का निर्णय करते हुए डोनेट लाइफ से संपर्क किया। संस्था के प्रमुख नीलेश मांडलेवाला अपनी टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और जरूरी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शैशव के हृदय, फेफड़े, लीवर, किडनियां और चक्षुओं का दान स्वीकारा।

# ब्रेन डेड मैकेनिकल इंजीनियर के हृदय-फेफड़े सहित अंगों के दान से 7 लोगों की जिंदगी रोशन हुई

## अंगदान से जीवन संजीवनी हादसे के अंग दाता को अंतिम सलामी दी गई

सूरत के हिंदू तलपदा कोली पटेल समाज के ब्रेन डेड 24 वर्षीय शैशव गिरीशभाई पटेल के परिवार ने डोनेट लाईफ के माध्यम से शैशव का दिल, फेफड़े, लिवर, किडनी और आंखें दान कर सात लोगों को नई ज़िंदगी प्रदान की है।

भरूच जिले के अंकलेश्वर तहसिल में हजात गांव के मोटा फलिया के निवासी 24 वर्षीय शैशव वाले मैकेनिकल इंजीनियर की पढाई करने के बाद गांव में किसानी का काम कर रहा था। 13 मार्च की रात 8.30 बजे अपनी बुलेट पर सुणेव गांव से अपने गांव हजात जा रहा था। तभी तरिया बस स्टैंड साजोद के पास बुलेट फिसल गई। बुलेट से नीचे गिर गया जिससे सिर में गंभीर चोट लगने से वह बेहोश हो गया। परिजन ने उसे तुरंत अंकलेश्वर के जयाबेन मोदी अस्पताल में भर्ती कराया। निदान के लिए सीटी स्कैन किया गया और ब्रेन हेमरेज और ब्रेन सूजन का निदान किया गया। सूरत के एम्स सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल में 17 मार्च को न्यूरोसर्जन चिकितस्कों ने ब्रेनडेड घोषित किया।

वालिया पुलिस इंस्पेक्टर करण सिंह चुडास्मा और शैशव की बहन निधि ने डोनेट लाइफ के संस्थापक और अध्यक्ष नीलेश मंडलेवाला से टेलीफोन पर संपर्क कर शैशव की ब्रेन डेड होने की जानकारी दी और अंग दान करने की इच्छा जताई। अंग दान की पूरी प्रक्रिया के बारे में डोनेट लाईफ संस्था द्वारा शैशव के परिजनों को जानकारी दी गई। शैशव के पिता गिरीशभाई, माता मनीषाबेन और बहन निधि ने अंगदान के लिए सहमति दी। शैशव के परिवार में उनके माता-पिता खेती के व्यवसाय से जुड़े हैं, बहन निधि दहेज में दीपक फाउंडेशन नामक संस्था में काऊन्सीलर के रूप में काम करती हैं।

सूरत के महावीर अस्पताल में कोसंबा के एक 22 वर्षीय व्यक्ति में हृदय का प्रत्यारोपण किया गया, अहमदाबाद के केडी अस्पताल में अहमदाबाद की एक 40 वर्षीय महिला में फेफड़े का प्रत्यारोपण किया गया है। अहमदाबाद के जायडस अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट किया गया। जबकि दोनों किडनी का ट्रांसप्लांट अहमदाबाद के अस्पताल में किया जाएगा। सूरत के महावीर अस्पताल से फेफड़े, लिवर और किडनी को अहमदाबाद के के.डी अस्पताल और अहमदाबाद के ज़ाइडस अस्पताल तक समय से पहुँचाने के लिए सूरत सिटी पुलिस द्वारा तीन ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण किया गया था। ब्रेनडेड शैशव के अंगदान ने सात लोगों को नई जिंदगी दी।

**अंगदान** • ब्रेनडेड युवक के अंगों के दान से सात जरूरतमंद लोगों को मिली नई जिंदगी

## शैशव का दिल कोसंबा के 22 वर्षीय युवक के सीने में धड़केगा, फेफड़े अहमदाबाद की महिला को ट्रांसप्लांट किए

सिटी रिपोर्टर | सूरत

तलपदा कोली पटेल समाज के ब्रेनडेड शैशव गिरिशभाई पटेल (24) के अंग उनके परिजनों ने दान किए। इससे जरूरतमंद सात लोगों को नई जिंदगी और रोशनी मिली। उनका दिल कोसंबा निवासी 22 वर्षीय युवक में ट्रांसप्लांट किया गया। फेफड़े अहमदाबाद की 40 वर्षीय महिला में ट्रांसप्लांट किए गए। उनका लीवर, दोनों किडनी अहमदाबाद में जरूरतमंदों में ट्रांसप्लांट की गई। सूरत से फेफड़े, लीवर और दोनों किडनी समय से अहमदाबाद पहुंचाने के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया था। सभी को अहमदाबाद पहुंचाया। टेक्सटाइल और डायमंड सिटी के नाम से प्रसिद्ध सूरत शहर अब ऑर्गन डोनेशन शहर के रूप में ख्याति प्राप्त कर रहा है।

**परिजनों की सहमति पर अंगदान** शैशव की बहन निधि पिता गिरीशभाई, माता मनीषा बेन व अन्य सदस्यों को अंगदान की प्रक्रिया को समझा। शैशव की मां ने रोते हुए कहा कि जो भी जरूरी टेस्ट है वह करा लें।

### बाइक फिसलने के कारण मैकेनिकल इंजीनियर शैशव को ब्रेन हेमरेज हुआ था

अंकलेश्वर तहसील के मोटुं फलिया निवासी और मैकेनिकल इंजीनियर शैशव खेतीबाड़ी करता था। 13 मार्च को रात 8.30 बजे बुलेट पर सुनेत्र गांव से अपने गांव जा रहा था। जब वह तरिया बस स्टैंड, साजोद के पास से गुजर रहा था, तभी उसकी बुलेट फिसल गई और वह नीचे गिर पड़ा। सिर में गंभीर चोट लगने से बेहोशी की हालत में उसे अंकलेश्वर के जयाबेन मोदी अस्पताल में दाखिल कराया गया। जहां सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज का पता चलने पर इलाज किया गया। अधिक उपचार के लिए परिजन सूरत के एप्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में भर्ती कराया। 17 मार्च को डाक्टरों ने शैशव को ब्रेनडेड घोषित कर दिया।

## સુરતથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૪૫માં હૃદય અને ફેફસાના દાનની ૧૫મી ઘટના

કોળી પટેલ સમાજના બ્રેઇન ડેડ શૈશવ ગીરીશભાઇ પટેલ ઉ.વ ૨૪ના પરિવારે ડોનેટ લાઇફના માધ્યમથી શૈશવના હૃદય, ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષીમાનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી.



**સુરત, તા. ૧૮**

અંકલેશ્વરના તાલુકાના મોટા ફળિયા ખાતે રહેતા ૨૪ વર્ષિય મીકેનીકલ એન્જીનીયર અને ખેતીકામ કરતો શૈશવ ગીરીશભાઇ પટેલ બ્રેઇન ડેડ થતા પરિવારે ડોનેટ લાઇફના માધ્યમથી શૈશવના હૃદય, ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષીમાનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

શૈશવ ૧૩ માર્ચના રોજ રાત્રે બુલેટ પર સુનેત્રથી તેના ગામ જઈ રહ્યો હતો ત્યારે સાજોદ પાસે બુલેટ સ્લીપ થઈ જતા, માથામાં ગંભીર ઇજાઓ થવાથી બેભાન થઇ ગયો હતો. તેને તાત્કાલિક અંકલેશ્વરની જયાબેન મોદી હોસ્પીટલમાં દાખલ કરી નિદાન માટે સિટી સ્કેન કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ અને મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. પરિવારજનોએ તેને વધુ સારવાર માટે સુરતની એપલ સુપર

અનુ. પાનાં ૭ પર

**સુરતથી ડોનેટ**

[illegible] SOTTOનો સંપર્ક કરવામાં આવ્યો હતો. SOTTO [illegible]

[illegible]

# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

### બ્રેનડેડ યુવકના હૃદય-ફેફસાં સહિતનાં અંગદાનથી 7ને નવજીવન

## અંકલેશ્વરના યુવકનું હૃદય CPRથી ચાલુ કરી કોસંબાના યુવકમાં મૂકાયું

### હૃદય મહાવીરમાં અને ફેફસાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

હેલ્થરિપોર્ટર | સુરત

શૈક્ષવ પટેલ

7ને નવજીવન આપનારા શૈક્ષવ પટેલને હોસ્પિટલ સ્ટાફે સલામી આપી હતી.

બાઈક સ્લીપ થતા અંકલેશ્વરના ઈજનેર યુવકને હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા બાદ તેનું હૃદય બંધ થઈ ગયું હતું. જો કે, સીપીઆર આપીને હૃદયને ફરી ધબકતું કરાયું હતું, પરંતુ બાદમાં તેને બ્રેન ડેડ જાહેર કરાયો હતો. આ યુવકના અંગોનું દાન કરીને પરિવારે 7 વ્યક્તિને નવું જીવન આપ્યું છે. યુવકના હૃદયનું કોસંબાના 22 વર્ષીય યુવકમાં, ફેફસાનું અમદાવાદની 40 વર્ષીય મહિલામાં તેમજ લિવરનું અમદાવાદના વૃદ્ધમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. અંકલેશ્વરના હજાતમાં રહેતા શૈક્ષવ પટેલ (24) મિકેનીકલ એન્જિનીયર હતા અને ખેતી સાથે પણ સંકળાયેલા હતા.

13 માર્ચે શૈક્ષવ બુલેટ પર જતા હતા ત્યારે સાજોદ પાસે બુલેટ સ્લીપ થઈ જતા માથામાં ગંભીર ઈજા થઈ હતી. તેમને અંકલેશ્વર બાદ સુરતની એચ્મ્સમાં દાખલ કરાયા હતા. મગજમાં સોજાનું ઓપરેશન થાય તે પહેલાં જ 15મીએ હૃદય બંધ થઈ જતા સીપીઆર આપીને ફરી ધબકતું કરાયું હતું. 17મીએ તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કરાયા હતા. પરિવારે ડોનેટ લાઈફનો સંપર્ક કરી ઓર્ગન ડોનેશન માટે તૈયારી દર્શાવી હતી. જેથી સોટોને જાણ કરાઈ હતી અને સોટો દ્વારા હૃદય સુરતની મહાવીર હોસ્પિટલને, ફેફસા અમદાવાદની કે.ડી. હોસ્પિટલને, લિવર ઝાયડસ હોસ્પિટલને અને બન્ને કિડની અમદાવાદની હોસ્પિટલને ફાળવવામા આવી હતી.

### હિંદુ તળપદા કોળી પટેલ સમાજના બ્રેઈનડેડ યુવકના સ્વજનોની જાગૃતિ

## 13 કિમીનું અંતર ફક્ત 15 મિનિટમાં કાપી હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું

| સુરત |

ભરૂચ જિલ્લાના મિકેનિકલ એન્જિનિયર યુવકના હૃદય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી હિન્દુ તળપદા કોળી પટેલ પરિવારે સમાજને ઉત્તમ દાખલો પૂરો પાડ્યો છે. બ્રેઈનડેડ મિકેનિકલ એન્જિનિયર યુવાનનું હૃદય કોસંબાના ખેડૂત પરિવારના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાતા તેને નવજીવન મળ્યું છે. ૧૩ કિલોમીટરનું અંતર ૧૫ મિનિટમાં કાપી હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

ભરૂચ જિલ્લાના અંકલેશ્વર તાલુકાના હજાત ગામમાં આવેલા મોટું ફળિયામાં રહેતા શૈક્ષવ ગિરીશભાઈ પટેલ બાઈક પર સુલેવ ગામથી પોતાના ગામ જઈ રહ્યો હતો ત્યારે સાજોદના તરીયા બસ સ્ટેન્ડ બાઈક સ્લીપ થતા તેને માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી, જેને લીધે શૈક્ષવને બેભાન અવસ્થામાં પરિવારજનોએ અંકલેશ્વરની હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. તબીબોએ સીટીસ્કેન કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ અને મગજમા સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ઓપરેશન કરવામાં આવે તે પહેલા શૈક્ષવને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો. જેની જાણ ડોનેટ લાઈફની ટીમને કરાતા શૈક્ષવના પરિવારે અંગદાનનું મહત્ત્વ સમાજાવાયું હતું. ત્યારબાદ તેઓ શૈક્ષવના હૃદય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરવા સહમત થયા હતા. દાનમાં મળેલા લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં અમદાવાદના ૬૪ વર્ષીય વૃદ્ધમાં કરવામાં આવ્યું છે. બ્રેઈનડેડ શૈક્ષવનું હૃદય ૧૩ કિમી દૂર બીજી હોસ્પિટલમાં ૧૫ મિનિટમાં લઈ જઈ કોસંબાના ખેડૂત પરિવારના ૨૨ વર્ષીય યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. આ ઉપરાંત ૨૭૬ કિમી સુધીની અમદાવાદની હોસ્પિટલનું અંતર ૧૦૦ મિનિટમાં કાપી ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના ૪૦ વર્ષીય યુવકમાં કરાયું હતું.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

તળપદા કોળી પટેલ સમાજના ૨૪ વર્ષીય શૈશવ પટેલે અંગદાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું.

# તળપદા કોળી પટેલ સમાજના બ્રેઈનડેડ યુવાનના અંગદાનથી ૭ વ્યક્તિને નવજીવન

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત શનિવાર

અંકલેશ્વરમાં રહેતા તળપદા કોળી પટેલ સમાજના ૨૪ વર્ષીય યુવાનના બ્રેઈનડેડ થયા બાદ હૃદય, ફેફસા, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી સાત

## કોસંબાના યુવાનમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરી ધબકતું કરાયું, ફેફસા અમદાવાદની મહિલાને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયા

વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષી માનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

ભરૂચ જીલ્લાના અંકલેશ્વરમાં હજાતગામમાં મોટું ફળિયામાં રહેતો ૨૪ વર્ષીય મીકેનીકલ એન્જીનીયર શૈશવ ગીરીશભાઈ પટેલને ગત તા.૧૩મીએ રાતે ગામના બસ સ્ટેન્ડ પાસે બુલેટ સ્લીપ થતા ઈજા થઈ હતી. જેથી તેને પરિવાર સારવાર માટે અંકલેશ્વરની પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલમાં બસેડાયો હતો. જ્યાં તેમનું સીટી સ્કેન કરાવતા બ્રેઈન હેમરેજ અને મગજમાં સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યાંથી તેમને વધુ સારવાર માટે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કર્યો હતો. જ્યારે ગત તા.૧૫મીએ તેમનું ઓપરેશન કરવા પહેલા હૃદય બંધ થઈ જતા ડોકટરે સી.પી.આર આપીને હૃદય ફરી ધબકતુ કર્યુ હતુ.

બાદ ગત તા.૧૭મીએ ન્યુરોસર્જન સહિતના ડોકટરની ટીમે ઉષાબેનને બ્રેઈનડેડ જાહેર કર્યા હતા. આ અંગે ડોનેટ લાઈફની ટીમે જાણ થતા હોસ્પિટલ પહોંચી શૈશવના પરિવારના સભ્યોને અંગદાનનું મહત્વ અને તેની સમગ્ર પ્રક્રિયા સમજાવાતા સંમતિ આપી હતી. જ્યારે તેમની ચક્ષુઓનું દાન લોકદૃષ્ટિ ચક્ષુ બેંકને સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે સુરતની એક હોસ્પિટલમાંથી ૧૩ કિલોમીટરનું અંતર ૧૫ મીનીટમાં કાપીને બ્રીજ ખાનગી હોસ્પિટલમાં તેમનું હૃદય કોસંબામાં રહેતો ૨૨ વર્ષીય યુવાનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું છે. જ્યારે સુરતની ખાનગી હોસ્પિટલથી ૨૭૬ કિલોમીટરનું અંતર ૧૦૦ મીનીટમાં કાપીને દાનમાં મળેલા ફેફસા અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં અમદાવાદમાં રહેતા ૪૦ વર્ષીય મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું છે. જ્યારે દાનમાં મળેલું લિવર અમદાવાદમાં રહેતા ૬૪ વર્ષીય વ્યકિતમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું તથા કિડનીઓનું બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવશે. જ્યારે શૈશવના પિતા ખેતી કામ કરે છે. તેની માતા મનીષાબેન, તેની બહેન નિધી દહેજની સંસ્થામાં કાઉન્સીલર તરીકે ફરજ બજાવે છે.

## અંકલેશ્વરમાં રહેતા ૨૪ વર્ષના મિકેનીકલ એન્જિનિયર શૈશવ પટેલના હૃદય, ફેફસા, કિડની, લીવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરાયું

# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

# સુરતથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૪૫માં હૃદય અને ફેફસાના દાનની ૧૫મી ઘટના

સુરત

હિંદુ તળપદા કોળી પટેલ સમાજના બ્રેઈનડેડ શૈશવ ગિરીશભાઈ પટેલ ઉ.વ ૨૪ના પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી શૈશવના હૃદય, ફેફસા, લિવર, કિડની અને ચક્ષુઓનું દાન કરી સાત વ્યક્તિઓને નવજીવન બક્ષીમાનવતાની મહેક ફેલાવી સમાજને નવી દિશા બતાવી.

હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોસંબાના રહેવાસી ૨૨ વર્ષીય યુવકમાં સુરતની મહાવીર હોસ્પીટલમાં, ફેફસાનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની રહેવાસી ૪૦ વર્ષીય મહિલામાં અમદાવાદની K.D હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું.

લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની ઝાયડસ હોસ્પીટલમાં કરવામાં આવ્યું. જ્યારે બંને કિડનીઓનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની હોસ્પીટલમાં કરવામાં આવશે.

હૃદય સુરતની મહાવીર હોસ્પિટલ, ફેફસા, લિવર અને કિડની સમયસર અમદાવાદની K.D હોસ્પિટલ અને ઝાયડસ હોસ્પિટલ પહોંચાડવા માટે સુરત શહેર પોલીસ દ્વારા ગ્રીન કોરીડોર બનાવવામાં આવ્યા હતા.

ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા અત્યાર સુધી જુદા જુદા અંગોના દાન કરાવીને દેશ અને વિદેશના કુલ બે હજાર વ્યક્તિઓને નવુંજીવન આપવામાં સફળતા મળી છે.

માનવતાના આ મહાયજ્ઞમાં અમૂલ્ય અંગોનું દાન આપનાર પુણ્યનિષ્ઠ સ્વ.શૈશવ ગીરીશભાઈ પટેલની ડોનેટ લાઈફ ભાવ વંદના કરે છે. તેમના પરિવારમાં તેમના પિતાશ્રી ગીરીશભાઈ, માતુશ્રી મનીષાબેન, બહેન નિધીનો તેમના આ સેવાકીય સંકલ્પ બદલ ઋણ સ્વીકાર કરીએ છીએ.

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા કુલ ૧૦૮૯ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે જેમાં ૪૫૪ કિડની, ૧૯૪ લિવર, ૮ પેન્ક્રીઆસ, ૪૫ હૃદય, ૩૦ ફેફસાં, ૪ હાથ અને ૩૪૪ ચક્ષુઓના દાનથી દેશ અને વિદેશના કુલ ૧૦૦૦ વ્યક્તિઓને નવુંજીવન અને નવી દ્રષ્ટી બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.

# સુરત ડોનેટ લાઇફ દ્વારા સાત વ્યક્તિને નવજીવન મળ્યું

## હૃદય સુરત કોસંબાના રહેવાસીમાં ધબકશે

સુરત, તા.૧૮: ભરૂચ જિલ્લાના અંકલેશ્વર ખાતે રહેતો મિકેનિકલ એન્જિનિયર શૈશવ ગિરીશભાઈ પટેલ(ઉ.વ.૨૪) ખેતીવાડી કરતો હતો. ૧૩ માર્ચના સાજોદ ગામ પાસે શૈશવનું બાઇક સ્લીપ થઈ જતાં તે નીચે પડી જતાં માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થવાથી બેભાન થઈ ગયો હતો. ઓપરેશન પહેલા જ સારવાર દરમિયાન ૧૫ માર્ચના રાત્રે શૈશવનું હૃદય બંધ થઈ જતા એને સીપીઆર આપીને હૃદયને પાછું ધબકતું કરવામાં આવ્યું હતું. ત્યારબાદ તેની તબિયત બગડતા તબીબોએ શૈશવને બ્રેઇન ડેડ જાહેર કર્યો હતો.

આ દરમિયાન શૈશવની બહેન નિધિએ ડોનેટ લાઇફના સ્થાપક અને પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી શૈશવના બ્રેઇનડેડ અંગેની જાણકારી આપી ઓર્ગન ડોનેશન કરવાની ઈચ્છા વ્યક્ત કરી. ડોનેટ લાઇફની ટીમે હોસ્પિટલ પહોંચી શૈશવના પરિવારજનોની ઈચ્છા અને રિપોર્ટ અનુસાર અંગદાન માટેની સંમતિ આપવામાં આવી હતી.

જેમાં હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કોસંબાના ૨૨ વર્ષીય યુવકમાં કરવામાં આવ્યું છે. ફેફસાંનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદની ૪૦ વર્ષીય મહિલામાં કરવામાં આવ્યું છે. લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અમદાવાદના ૬૪ વર્ષીય વ્યક્તિમાં કરવામાં આવ્યું છે. બન્ને કિડનીનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ બે જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં અમદાવાદની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવશે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ડોનેટ લાઇફ દ્વારા કુલ ૧૦૮૯ અંગો અને ટિસ્યુઓનું દાન કરાવવામાં આવ્યું છે.

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."

# અંકલેશ્વરના બ્રેઇન ડેડ યુવકનાં હૃદય, ફેફસાં, લિવર, કિડની અને આંખોનું દાન

**રોડ** અકસ્માતમાં યુવકને ગંભીર ઇજા થતાં સુરતની હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે દાખલ કરાયો હતો

સુરત: અંકલેશ્વરના બ્રેઇન ડેડ યુવાનનું હૃદય, ફેફસા,લિવર,કિડની અને આંખોનું દાન કરીને સાત વ્યકિતઓને નવજીવન આપવામાં આવ્યું છે.

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશભાઈ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે અંકલેશ્વરના હજાત ગામનો વતની શૈશવ ગીરીશભાઈ પટેલ( 24 વર્ષ) ઇજનેર હતો. શૈશવ 13 માર્ચના રોજ રાત્રે તેની બુલેટ લઈને સુણેવ ગામથી પોતાના ગામ આવતો હતો ત્યારે રસ્તામાં બુલેટ સ્લીપ થતા તેને ગંભીર ઇજા થઈ હતી. પરિવારજનો તેને અંકલેશ્વરની હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા. ત્યાં બ્રેઈનમાં સોજો હોવાનું નિદાન થતા તેને વધુ સારવાર માટે સુરતની એઇમ્સ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. બ્રેઈનમાં સોજો હોવાથી ડોક્ટરો દ્વારા તેનું ઓપરેશન માટે સલાહ આપવામાં આવી હતી. પરંતુ ઓપરેશન પહેલા જ 15 માર્ચના રોજ રાત્રે તેનું હૃદય બંધ પડી જતા હૃદય મસાજ આપવામાં આવ્યું જેથી હૃદય ફરીથી ધબકતું થઈ ગયું હતું. ત્યાર બાદ તેની તબિયત લથડી હતી. ત્યાર બાદ ડોક્ટરોએ તેને બ્રેઇન ડેડ જાહેર કર્યો હતો. તબીબોની ટીમે ડોનેટ લાઈફનો સંપર્ક કરાતા તેમની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચી હતી. પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવતા તેઓ અંગદાન માટે તૈયાર થઇ ગયા હતાં. તેના અંગોનું દાન સ્વીકારી હૃદય સુરતની મહાવીર હોસ્પિટલને, ફેફસા, અમદાવાદની કે.ડી. હોસ્પિટલને, લિવર અને બંને કીડનીઓ ઝાયડસ હોસ્પિટલને ફાળવવામાં આવી હતી. આંખો લોકદૃષ્ટી ચક્ષુ બેંકના ડો.પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકારી હતી.

# News Coverage of Cadaver Organ Donation From Surat through Donate Life

## DONATE LIFE

### CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

**Date: January, 2006 to 18th March, 2023**

**454**
**KIDNEY**

**194**
**LIVER**

**45**
**HEART**

**30**
**LUNGS**

**08**
**PANCREAS**

**354**
**CORNEA**

**04**
**HANDS**

**Total 1089 Organs & Tissues donated,**
**which has given New Life & Vision to 1000 persons across Country & Globe.**

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."